News सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-03
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

ज्ञान एक ऐसा दीपक है जो आपके जीवन में प्रकाश फैलाता है।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, बुधवार 09 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार में पूर्व IPS अफसर ने बनाई नई पार्टी

'हिंद सेना' रखा है नाम, शिवसेना नेता के हैं दामाद

पटना, भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी शिवदीप लांडे ने मंगलवार को एक नए राजनीतिक दल के निर्माण का ऐलान किया है। 'हिंद सेना' नाम का उनका यह दल बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमाएगा। बता दें कि 2006 बैच के IPS अधिकारी लांडे ने लगभग एक साल पहले भारतीय पुलिस सेवा से इस्तीफा दे दिया था। वह अपनी शानदार कार्यशैली के कारण 'बिहार के सिंघम' के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने पटना में एक प्रेस कॉफ्रेंस में हिंद सेना के गठन की घोषणा की।

'जड़ें महाराष्ट्र में हैं, पर कर्मभूमि बिहार है' 49 साल के लांडे ने पार्टी की लॉन्चिंग के मौके पर कहा कि उनकी जड़ें भले ही महाराष्ट्र से जुड़ी हुई हैं, लेकिन वह बिहार को अपनी 'कर्मभूमि' मानते हैं। बता दें कि लांडे शिवसेना नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रह चुके विजय शिवतारे के दामाद हैं। उन्होंने कहा, 'IPS में रहते हुए मैंने लोगों की सेवा करने की पूरी कोशिश की, लेकिन तब मैं अखिल भारतीय सेवा आचरण नियमों से बंधा हुआ था। मुझे अपनी सीमाओं का एहसास तब हुआ, जब बेहद नेक इरादों के बावजूद, मैं उन मामलों में जनता की मदद नहीं कर सका, जो पुलिस के दायरे से बाहर थे।'

'राज्यसभा टिकट की पेशकश हुई थी' लांडे ने कहा कि उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में 'शत-प्रतिशत' हिस्सा लेगी। हालांकि, उन्होंने इस सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया कि क्या वह खुद चुनाव लड़ेंगे। लांडे ने कहा, 'हम फिलहाल संगठन निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आप हिंद सेना पार्टी के सभी उम्मीदवारों को शिवदीप लांडे की ओर से लड़ रहे उम्मीदवार के रूप में देख सकते हैं। मैं सत्ता का लुत्फ उठाने के लिए किसी 'शॉर्टकट' की फिराक में नहीं हूं। मेरे इस्तीफे के बाद एक बड़ी पार्टी से मुझे रा'यसभा टिकट की पेशकश की थी, लेकिन मैं अपने आदर्शों पर अमल कर रहा था। मैंने पूरे बिहार की यात्रा की और महसूस किया कि राजनीतिक विकल्प की गुंजाइश है।'

किसान परिवार में हुआ था जन्म शिवदीप लांडे का जन्म 29 अगस्त 1976 को महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के अकोला जिले में हुआ था। वह एक किसान परिवार में पैदा हुए थे। उन्होंने 2 फरवरी 2014 को ममता शिवतारे से शादी की और उनकी एक बेटी है जिसका नाम आर्हा है। ममता शिवतारे, विजय शिवतारे की बेटी हैं, जो महाराष्ट्र के जल संसाधन और जल संरक्षण मंत्री रह चुके हैं। लांडे की शिक्षा-दीक्षा महाराष्ट्र में ही हुई, लेकिन बिहार में IPS अफसर के रूप में उन्होंने गजब की लोकप्रियता बटोरी।

बिहार में क्यों चर्चित हैं शिवदीप लांडे? भारतीय पुलिस सेवा से इस्तीफा देने से पहले शिवदीप लांडे केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर महाराष्ट्र पुलिस में डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस- एंटी नारकोटिक्स सेल, क्राइम ब्रांच, मुंबई के रूप में सेवारत थे। इससे पहले, उन्होंने बिहार के पटना, अररिया, पूर्णिया और मुंगेर जिलों में एसपी के रूप में कार्य किया। पटना (मध्य क्षेत्र) के एसपी के रूप में वे काफी लोकप्रिय थे। उन्होंने अपने कैरियर में कई खूंखार अपराधियों को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की थी। यही वजह है कि बिहार में उन्हें दबंग सिंघम और सुपरकॉप जैसे कई उपनाम मिले।

11 वर्षों से फरार चल रहा कुख्यात नक्सली गिरफ्तार

पुलिस और STF ने कुछ ऐसे कसा शिकंजा

पटना, यह गिरफ्तारी गया जिले के छकरबंधा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बरहा गांव के पास की गई, जहां वह गुप्त रूप से छिपा हुआ था। पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि लंबे समय से फरार नक्सली नेता परीक्षा जी को बरहा गांव के आसपास देखा गया है। इस इनपुट के आधार पर पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया। रणनीतिक ढंग से की गई इस कार्रवाई के दौरान टीम को आखिरकार सफलता मिली और नक्सली को गिरफ्तार कर लिया गया।

लंबे समय से पुलिस को थी तलाश परीक्षा जी नक्सल गतिविधियों में लंबे समय से सक्रिय रहा है और उस पर कई गंभीर मामले दर्ज हैं। वह माओवादी संगठन का एक महत्वपूर्ण सदस्य रहा है। सुरक्षा बलों को नुक्सान पहुंचाने और ग्रामीण क्षेत्रों में भय का माहौल बनाने जैसे कई मामलों में वांछित था। सूत्रों के अनुसार, वह छकरबंधा और आस-पास के जंगलों में सक्रिय रहकर संगठन को पुनः सशक्त करने की कोशिश कर रहा था।

माओवादी संगठन को लगा बड़ा झटका गया जिले के छकरबंधा थाना क्षेत्र में नक्सलियों की सक्रियता पहले भी देखी जाती रही है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पुलिस और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई से उनकी गतिविधियों पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया है। परीक्षा जी की गिरफ्तारी को सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी सफलता माना जा रहा है, क्योंकि इससे माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। इस संबंध में गया पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली से पूछताछ जारी है और उम्मीद है कि उससे नक्सली नेटवर्क से जुड़ी कई अहम जानकारियाँ मिल सकती हैं। आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियाँ हो सकती हैं। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में लोगों ने राहत की सांस ली है और स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया है। पुलिस अब इस गिरफ्तारी के आधार पर नक्सलियों के बाकी नेटवर्क तक पहुँचने की कोशिश में जुट गई है।

बिहार में झमाझम बारिश शुरू

ठनका की चपेट में पिता-पुत्री समेत 4 की मौत

पटना, बिहार में मौसम में बदलाव शुरू हो गया है. मंगलवार को कई जिलों में सुबह से ही आंधी-तूफान और वज्रपात के साथ बारिश शुरू हो गयी. मधुबनी में ठनका की चपेट में पिता-पुत्री समेत तीन लोगों की मौत हो गयी है. जिले के रुद्रपुर थाना क्षेत्र के अलपुरा गांव की बतायी जा रही है. घटना के बाद से परिवार में कोहराम मच गया है. पिता-पुत्री की मौत- मृतक की पहचान अलपुरा गांव निवासी 62 वर्षीय मो जाकिर और 18 वर्षीय पुत्री आयशा के रूप मे हुई है. मो जाकिर अपनी पुत्री को लेकर नहर के पास खेत मे जमा गेहूं को ढकने के लिए त्रिपाल लेकर जा रहे थे. नहर के पास जाने के समय ठनका गिरने से बाप-बेटी बुरी तरह झुलस गए और घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई. झंझारपुर में एक की मौत- दूसरी ओर झंझारपुर प्रखंड के पिपरौलिया गांव मे आकाशीय बिजली गिरने से रमन कुमार महतों के 45 वर्षीय पत्नी दुर्गा देवी की मौत हो गई. जिला परिषद सदस्य मोहम्मद रेजाउद्दीन ने मौके पर पहुंचे घटना की जानकारी प्राप्त कर हर संभव सरकारी सहायता देने की बात कही. जिला आपदा विभाग के द्वारा लगातार लोगों से घर में रहने सुरक्षित जगह पर रहने की अपील की जा रही है. ऐसे में बारिश और वज्रपात के दौरान लोगों को सुरक्षित रहना चाहिए. मृतक के परिजनों को सरकारी सुविधा दी जाएगी. -मोहम्मद रेजाउद्दीन, जिला परिषद सदस्य बेगूसराय में एक की मौत- बेगूसराय में वज्रपात की चपेट में आने एक लड़की की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं. सभी लोग अहले सुबह किसी काम से खेत जा रही थी तभी यह हादसा हुआ. घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के मुख्तियारपुर पंचायत अंतर्गत मानोपुर गांव की है. घायलों का इलाज भगवानपुर पीएचसी में चल रहा है. गेहूं काटने के दौरान वज्रपात- मृतका की पहचान भगवानपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले राम कुमार सदा की पुत्री अंशु कुमारी के रूप में की गई है. घायलों में संजू देवी, आंचल कुमारी और मुस्कान कुमारी के रूप में की गई है. परिजनों के अनुसार सभी बुधवार की अहले सुबह गेहूं काटने जा रही थी.

ठनका गिरने से एक की मौत हो गयी. तीन लोग घायल हो गए जिनका इलाज भगवानपुर पीएससी में चल रहा है. इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है. -बिट्टू कुमार, बेगूसराय

बिहार-झारखंड का कुख्यात इनामी नक्सली रमेश टुडू मारा गया

बांका के जंगल में एनकाउंटर

बांका, बांका जिला के कटोरिया थाना क्षेत्र के कलोथर जंगल में मंगलवार रात पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में एक लाख का इनामी हार्डकोर नक्सली रमेश टुडू मारा गया। रमेश का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। वह कटोरिया के बूढ़ीघाट गांव का रहने वाला था। उसके खिलाफ जमुई और देवघर जिले के अलग-अलग थानों में 11 संगीन मामले दर्ज थे। वह करीब 15 साल से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय था।

पुलिस और एसटीएफ का सर्च अभियान जारी डीएम अंशुल कुमार ने रमेश के शव के पोस्टमार्टम के लिए कटोरिया बीडीओ विजय कुमार सौरभ को मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। पुलिस और एसटीएफ का सर्च अभियान जारी है। नक्सलियों के अन्य ठिकानों पर कार्रवाई तेज कर दी गई है।

इस मुठभेड़ से इलाके में एक बार फिर नक्सलियों की सक्रियता का डर फैल गया है। करीब 20 साल पहले 3 नवंबर 2005 को आनंदपुर ओपी के तत्कालीन प्रभारी भगवान सिंह की बम से हत्या कर नक्सलियों ने दहशत फैलाई थी। इसके बाद जंगलों में नक्सलियों की पकड़ मजबूत होती गई।

गंभीर धाराओं में दर्ज हैं मामले रमेश के खिलाफ 30 नवंबर 2011 को चन्द्रमंडी थाना में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ था। 18 दिसंबर 2015 को हत्या और साजिश के आरोप में फिर केस दर्ज हुआ। 21 सितंबर 2018 को हत्या के मामले में तीसरा केस दर्ज हुआ। 9 जनवरी 2019 को अपहरण का केस दर्ज हुआ। 28 फरवरी 2019 को पुलिस पर हमले और आर्म्स एक्ट में केस दर्ज हुआ। 24 मई 2019 को साजिश, आर्म्स एक्ट और विस्फोटक अधिनियम में केस दर्ज हुआ।

6 मार्च 2016 को चकाई थाना में हत्या और विस्फोटक अधिनियम में केस दर्ज हुआ। 27 फरवरी 2017 को देवघर के जसीडीह थाना में हत्या, डकैती और आर्म्स एक्ट में केस दर्ज हुआ। 23 दिसंबर 2013 को जसीडीह थाना में डकैती और अपहरण का केस दर्ज हुआ। 17 नवंबर 2014 को चकाई थाना में चोरी और यूएपीए एक्ट में केस दर्ज हुआ। 13 जनवरी 2021 को चन्द्रमंडी थाना में आर्म्स एक्ट और विस्फोटक अधिनियम में केस दर्ज हुआ।

पहले भी मारे गए हैं कई नक्सली 26 फरवरी 2011 को जयपुर थाना क्षेत्र के मांझीडीह में 12 घंटे चली मुठभेड़ में पुलिस ने 6 नक्सलियों को मार गिराया था। इस दौरान देवान टुडू को गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से पुलिस की लूटी हुई रायफल, एसएलआर, पिस्टल और 141 खोखा बरामद हुआ था। उसे दो साल पहले उम्रकैद की सजा हुई। 20 फरवरी 2017 को सब जोनल कमांडर मंटू खैरा के मारे जाने के बाद इलाके में शांति आई थी। लेकिन नक्सली फिर से संगठन को मजबूत करने की कोशिश में लगे हैं। कटोरिया, चांदन और आनंदपुर ओपी थाना क्षेत्र का बड़ा हिस्सा जंगल, पहाड़ और नदियों से घिरा है। घने जंगलों के कारण यह इलाका नक्सलियों के लिए सुरक्षित ठिकाना रहा है।

18 सितंबर 2016 को हरदिया पड़ड़िया जंगल में मुठभेड़ हुई थी। 27 नवंबर 2016 को करमाटांड़ में मुठभेड़ हुई। 13 अप्रैल 2017 को पुलिस ने दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया था। हर बार मुठभेड़ के बाद पुलिस को देशी-विदेशी हथियार, हैंड ग्रेनेड, कारतूस, नक्सली साहित्य, पोस्टर, रसीद और विस्फोटक बरामद हुए हैं।

तनिष्क के लूटेरों से बालू माफिया ने सोना हथियार के साथ लूट लिया रुपया भी

एसपी ने किया खुलासा

पटना, पुलिस ने मनेर में छापेमारी कर कुछ बदमाशों को गिरफ्तार किया।उनके पास से और कई जेवरात भी उनके पास से बरामद किए। भोजपुर एसपी ने प्रेस वार्ता कर इस बात की जानकारी दी। एसपी ने यह भी बताया कि एक अन्य बदमाश को भी गिरफ्तार किया गया है। ये भी लूट की घटना में शामिल था। इसके पास से एक पिस्टल भी बरामद हुआ है, जबकि दो पिस्टल और 128 ग्राम सोना इनसे लूट कर बालू माफिया झाड़ी में छिपा कर रखे थे। तनिष्क शोरूम में लूटपाट करने वाले अपराधियों से सोना छीनने में शामिल अन्य बालू माफिया की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की कार्रवाई दियारा इलाके में जारी है। भोजपुर, सारण और मनेर के दीयरा क्षेत्र में अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

पुलिस का यह है दावा पुलिस का कहना है कि तनिष्क को लूटने वालों से उनका माल यानी जेवरात और नगद रुपया बालू माफिया लूटकर फरार हो गये। यह बात भोजपुर एसपी कह रहे हैं। भोजपुर एसपी का दावा है कि अपराधियों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। उनका कहना है कि तनिष्क शोरूम लूटने वालों से बालू माफियाओं ने ही आभूषण छीन लिए थे, यानी लुटेरों से ही छिनतई हो गई। भोजपुर एसपी ने घटना के संबंध में बताया कि तनिष्क शोरूम में लूट की बड़ी वारदात को अंजाम देकर भाग रहे अपराधियों से बालू माफिया ने जेवर छीन लिए और उनको भगा दिया। घटना के संदर्भ में बताया जा रहा है कि जितना सोना अपराधियों ने लूटा था उसका कुछ ही हिस्सा उनके हाथ लगा। वहीं, इस बड़ी लूट की घटना को अंजाम देने के बाद लूटपाट के बाद भाग रहे बदमाशों में दो को

पुलिस ने बबुरा के पास मुठभेड़ के बाद दबोच लिया था। उनके पास से गहनों से भर दो बैग बरामद किए गए थे।

एसपी ने सुनाई अपराधियों की यह कहानी एसपी का कहना है कि पकड़े गए विशाल और कुणाल के पास से दो बैग मिले थे, जिसमें कुछ लूटे गए जेवरात भी थे। हालांकि, लूटे गए जेवरात का बड़ा हिस्सा दूसरे अपराधियों के पास था। भागने के दौरान लुटेरे एक नाव से गंगा पार कर रहे थे। जिस नाव पर वे सवार हुए वह बालू माफिया की नाव थी। बालू माफिया ने बचे हुए सोने-हीरे के आभूषणों का एक बड़ा हिस्सा उनसे जबरन छीन लिये और कुछ जेवरात लुटेरों के पास ही छोड़ दिया। पूछताछ के दौरान लुटेरों ने पुलिस को बताया कि जब वे छपरा की ओर भाग रहे थे, उस दौरान गंगा नदी को पार करने के लिए एक नाव पर सवार हुए। जहां बालू माफिया ने उनसे लूटे गए सोने और हीरे के जेवर छीन लिए।

अब बालू माफिया की तलाश में जुटी पुलिस भोजपुर एसपी का कहना है कि गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ के दौरान लुटेरों ने पुलिस को बताया कि जब वे छपरा की ओर भाग रहे थे, उस दौरान गंगा नदी को पार करने के लिए एक नाव पर सवार हुए। जहां बालू माफिया ने उनसे लूटे गए सोने और हीरे के जेवर छीन लिए। पुलिस को लूटे गए आभूषणों की बरामदगी करनी थी लिहाजा पुलिस अब उन बालू माफिया को खोजने में जुट गई है।